कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BHDC-133

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सामान्य)

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

बी.एच.डी.सी-133 : आधुनिक हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***पहला*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) भीतर-भीतर सब रस चूसै।
हँसि हँसि के तन मन धन मूँसै।
जाहिर बातन में अति तेज
क्यों सखि साजन नहीं अंग्रेज।

(ख) सिद्धि हेतु स्वामी गए, यह गौरव की बात,
पर चोरी-चोरी गए, यही बड़ा व्याघात,
सखि, वे मुझसे कहकर जाते,
कह, तो क्या मुझको वे अपनी पथ-बाधा ही पाते ?

(ग) ले चल वहाँ भुलावा देकर
मेरे नाविक धीरे-धीरे।
जिस निर्जन में सागर लहरी,
अम्बर के कानों में गहरी-
निरछल प्रेम कथा कहती हो,
तज कोलाहल की अवनी रे।

(घ) देखते देखा मुझे तो एक बार
उस भवन की ओर देखा, छिन्नतार;
देखकर कोई नहीं,
देखा मुझे उस दृष्टि से
जो मार खा रोयी नहीं।

(ङ) स्तब्ध ज्योत्स्ना में जब संसार
चकित रहता शिशु-सा नादान,
विश्व के पलकों पर सुकुमार
विचरते हैं जब स्वप्न अजान,
न जाने, नक्षत्रों से कौन
निमंत्रण देता मुझको मौन।

2. भारतेन्दुयुगीन हिन्दी काव्य के विकास पर प्रकाश डालिए। 16

3. द्विवेदी युग की साहित्यिक प्रवृत्तियों की संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 16

4. मैथिलीशरण गुप्त के इतिहास बोध को रेखांकित कीजिए। 16

5. रामनरेश त्रिपाठी के रचना-संसार का परिचय दीजिए। 16

6. छायावाद के महत्व पर प्रकाश डालिए। 16

7. जयशंकर प्रसाद की सौन्दर्य-चेतना को रेखांकित कीजिए। 16

8. सुमित्रानंदन पंत के काव्य-शिल्प का विवेचन कीजिए।16

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times8=16$

(क) महादेवी वर्मा का सृजनात्मक व्यक्तित्व

(ख) भारतीय नवजागरण

(ग) भारतेन्दु युग की राजनीतिक पृष्ठभूमि

(घ) निराला की काव्य-संवेदना